Edited by Foxit Reader
Copyright(C) by Foxit Software Company,2005-2006
For Evaluation Only.

डायमण्ड कॉमिक्स

D-52 Rs. 15.00

पाठा चाचा चौधरी और कराटे सम्राट

https://sites.googel.com/site/education5040

eHindiComics
Visit us @ http://ehindicomics.blogspot.com/

Edited by Foxit Reader
Copyright(C) by Foxit Software Company,2005-2006
For Evaluation Only.

https://
Visit us @ http://ehindicomics.blogspot.com/

Edited by Foxit Reader
Copyright(C) by Foxit Software Company,2005-2006
For Evaluation Only.

Visit us @ http://ehindicomics.blogspot.com/

Visit us @ http://ehindicomics.blogspot.com/

चाचा चौधरी की कहानी

दादाजी, कोई कहानी सुनाओ.

आज मैं तुम को एक ऐसे व्यक्ति के बारे में बताता हूँ जिस की जिंदगी किसी कहानी से कम मनोरंजक नहीं..

.. वह और कोई नहीं चाचा चौधरी हैं. मैं ने उसे बचपन से देखा है. वह बचपन से ही दिलेर और दूरदर्शी था. उसके पिता राम चौधरी थे और माता का नाम था दुलारी.

" वे एक कस्बे में रहते थे. उनके पास सब कुछ था, पर औलाद न थी. "

" .. फिर जब औलाद हुई तो दो जुड़वां बच्चे. एक का नाम धिज्जू और दूसरे का धोदू रखा गया. "

Visit us @ http://ehindicomics.blogspot.com/

Visit us @ http://ehindicomics.blogspot.com/

कुछ देर बाद डी..

इस छोकरे को अगर उठा कर ले जाऊं तो फिरौती में काफी पैसा मिल जायेगा

भईया! मुझे बचाओ! बचाओ!

चुप! शोर किया तो..

खट!

धड़ाम

हाय! मर गया!

यही छोटू आगे चल कर जग्गा चौधरी के नाम से मशहूर हुआ.

Visit us @ http://ehindicomics.blogspot.com/

दादाजी, फिर उस डाकू का क्या हुआ ?

"पुलिस ने आ कर वह भारी बक्स हटाया और उसे गिरफ्तार किया."

शाबाश छोटू, आज तुम्हारी सूझबूझ की वजह से तुम्हारे भाई की जान बच गई.

दादाजी, चाचा चौधरी अर्थात् बचपन का छोटू स्कूल जाता था ?

जाता तो था परंतु उस ने किताबों की बजाये प्रकृति के सीधे अध्ययन को ज्यादा महत्व दिया. इस से उस का सामान्य ज्ञान बढ़ा.

C-315

Visit us @ http://ehindicomics.blogspot.com/

Visit us @ http://ehindicomics.blogspot.com/

Visit us @ http://ehindicomics.blogspot.com/

अच्छा बच्चो, अब मेरा आराम करने का समय हो गया है.

नहीं दादाजी, हमें चाचा चौधरी की एक और कहानी सुनाओ.

अच्छी बात है.

छोटू अर्थात् चाचा चौधरी जब बड़ा हुआ तो उसे एक शौक बॉक्सिंग का भी था. उसका गुरु था वज्रपति. वज्रपति एक सौ पचास वर्ष का था.

एक सौ पचास?

"हां, वह बड़ा तजुर्बेकार आदमी था."

मुक्केबाजी में ताकत इतनी काम नहीं आती जितना कि चौकन्नापन और तेज रफ़्तार

"एक बार चाचा चौधरी का बॉक्सिंग का मुकाबला हुआ. एक के विरोध में चार."

शुरू!

ओह!

ओह!

Visit us @ http://ehindicomics.blogspot.com/

Visit us @ http://ehindicomics.blogspot.com/

Visit us @ http://ehindicomics.blogspot.com/

Visit us @ http://ehindicomics.blogspot.com/

Visit us @ http://ehindicomics.blogspot.com/

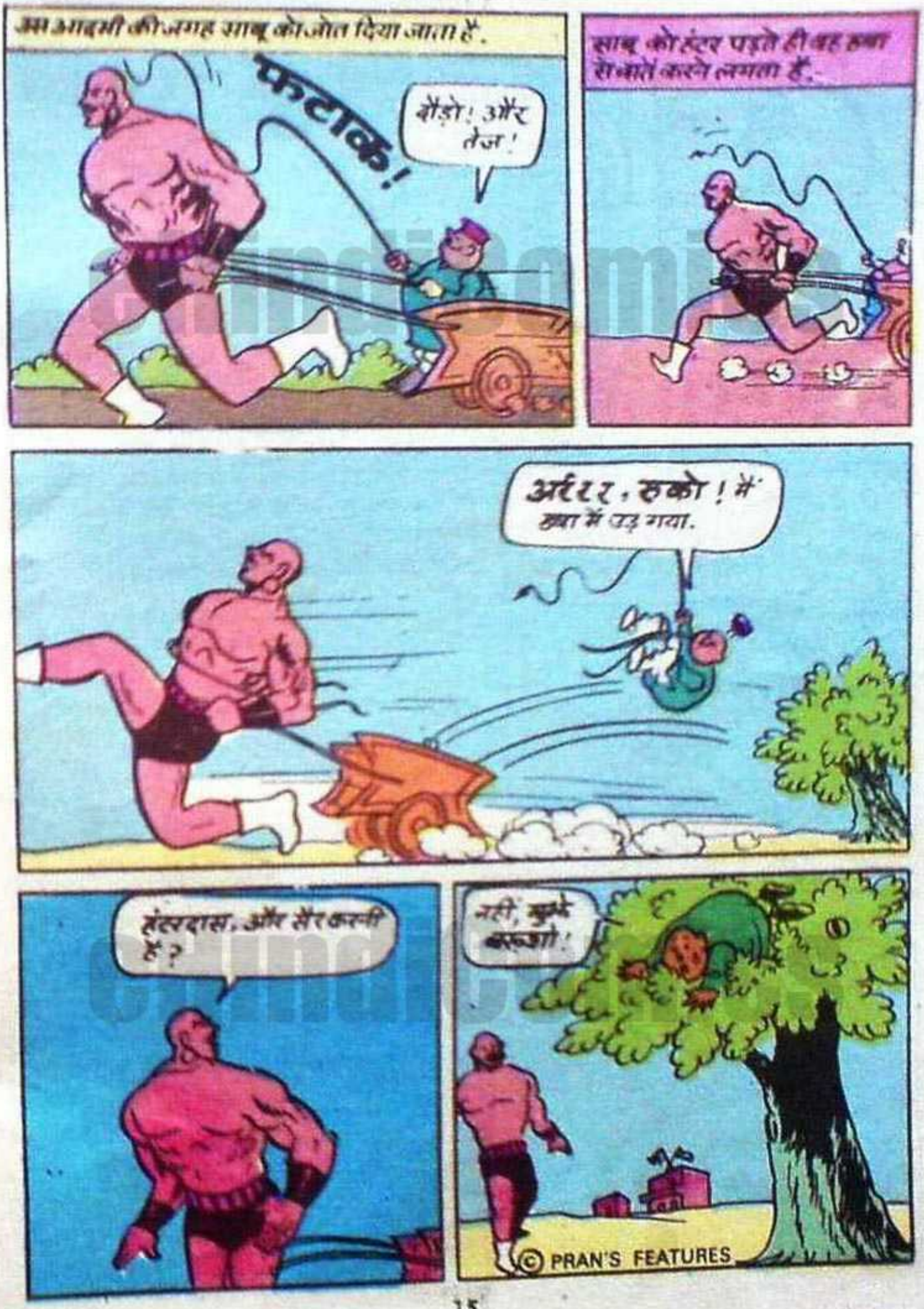

Visit us @ http://ehindicomics.blogspot.com/

Edited by Foxit Reader
Copyright(C) by Foxit Software Company,2005-2006
For Evaluation Only.

Visit us @ http://chindicomics.blogspot.com/
ghntghthhyhytyuhtruyhrt

Visit us @ http://ehindicomics.blogspot.com/

तभी..

हैंड्ज़ अप!

चौधरी, स्मगलरों के गिरोह ने तुम्हारा सफाया करने के लिये एक लाख रुपया देना मंजूर किया है. इसलिये मरने के लिये तैयार हो जाओ!

मरने से पहले तुम्हारी कोई आखरी इच्छा हो तो बताओ?

कोई मुझे दीवाली मुबारक कह दो.

दीवाली मुबारक..

भड़ाम!

बड़ा जेम्सबांड का कारतूस बना फिरता था.

Visit us @ http://ehindicomics.blogspot.com/

Visit us @ http://ehindicomics.blogspot.com/

Visit us @ http://ehindicomics.blogspot.com/

Visit us @ http://ehindicomics.blogspot.com/

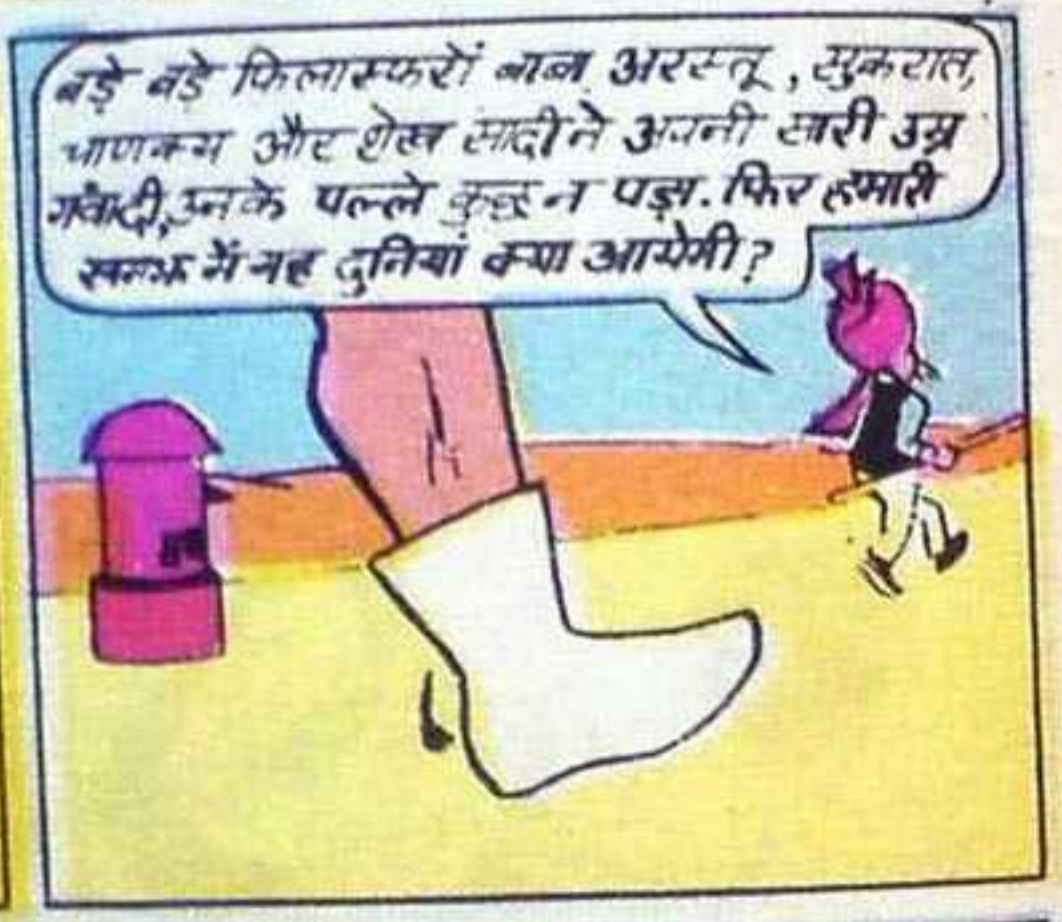

Visit us @ http://ehindicomics.blogspot.com/

Visit us @ http://ehindicomics.blogspot.com/

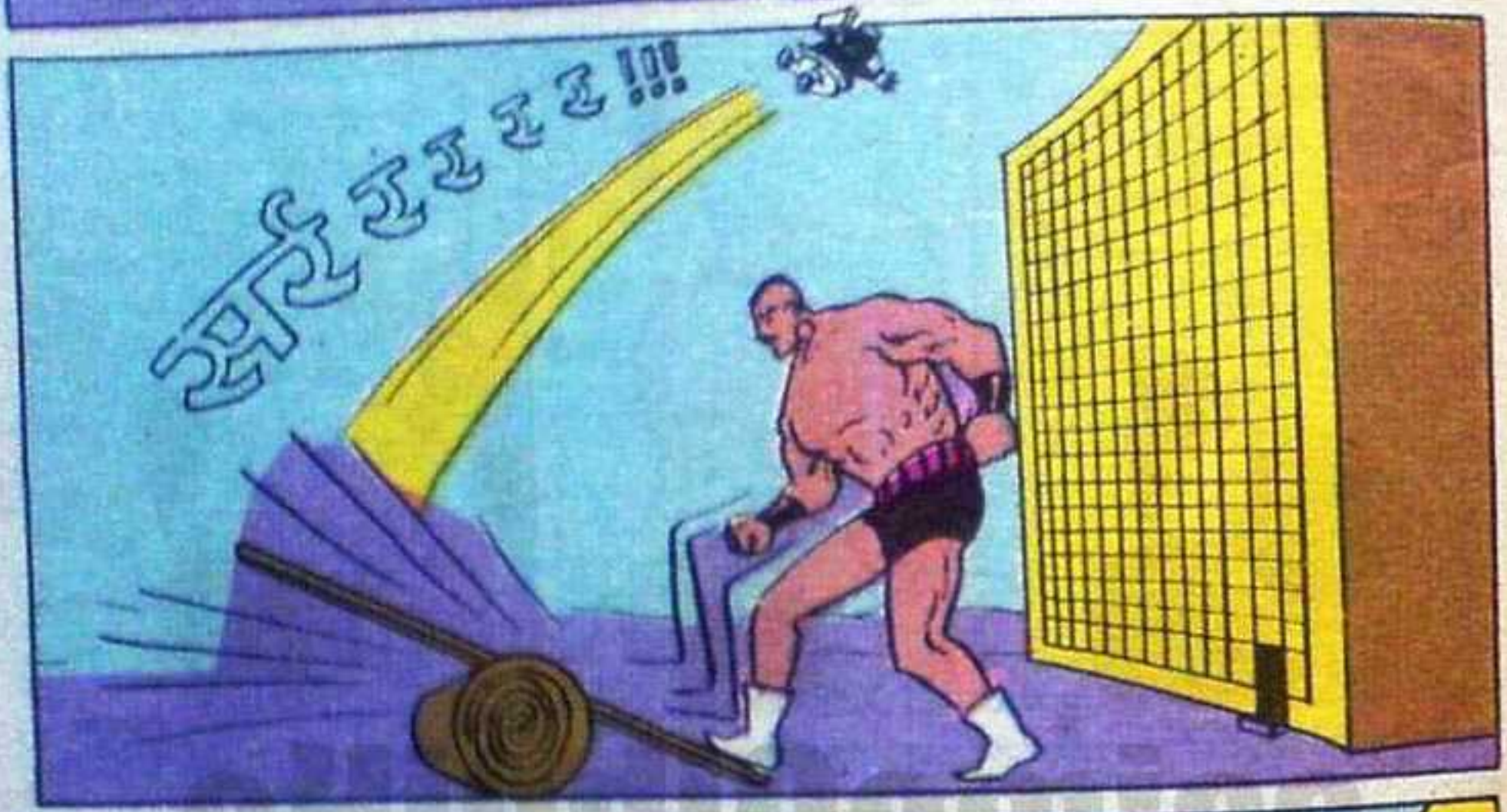

Visit us @ http://ehindicomics.blogspot.com/

पागल सांड

अरे साधू, एकदम उठकर कहाँ चल दिये?

चाचाजी, बैठे-बैठे आलस आने लगा था, सोचा दस-पंद्रह मील की सैर कर आऊं.

जल्दी लौटकर आना. चाची तेरे लिये रबड़ी बना रही है.

बेफिक्र रहो चाचाजी. मिनटों में लौटता हूं.

Visit us @ http://ehindicomics.blogspot.com/

थोड़ी दूर पर

अरे रुल्दू! यह भैंसा क्यों बंद कर रखा है?

यह पागल भैंसा है. जब साबू इधर से निकलेगा, मैं इसे खोल दूंगा. फिर देखना तमाशा. आगे-आगे साबू होगा, पीछे पीछे भैंसा.

लो रुल्दू, जैसे तुम्हारे मुंह की बात पूरी हो गई. वह आ रहा है साबू.

चल मेरे पट्ठे! टूट पड़ उस साबू पर.

ओह, खूंखार भैंसा!

हा-हा! वह देखो, जो कल तक बड़ा पहलवान बना फिरता था, भैंसे से जान बचाने के लिये बकरी बना भाग रहा है.

Visit us @ http://ehindicomics.blogspot.com/

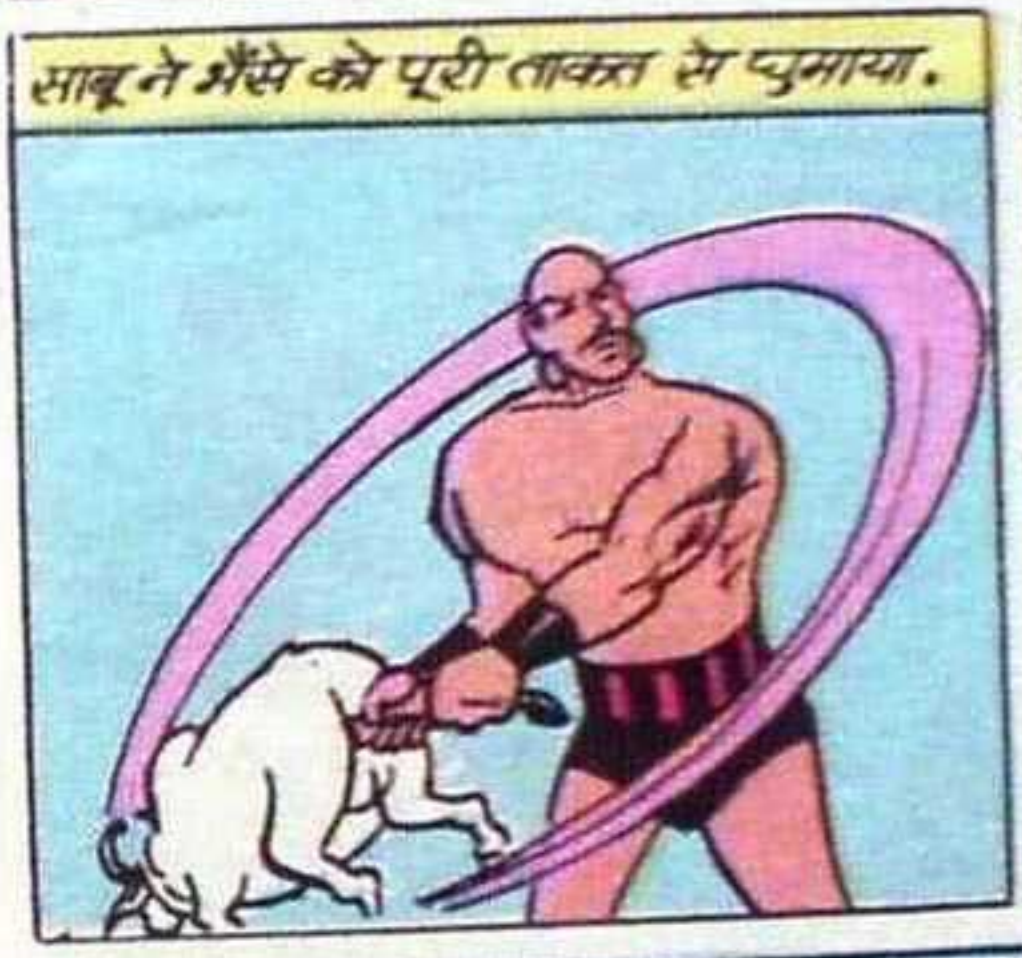

© PRAN'S FEATURES 1980

Visit us @ http://ehindicomics.blogspot.com/

स्कूटर की सैर

एक दिन साबू, भाग चौधरी और टिंकूमास्टर स्कूटर पर सैर करने निकले.

Visit us @ http://ehindicomics.blogspot.com/

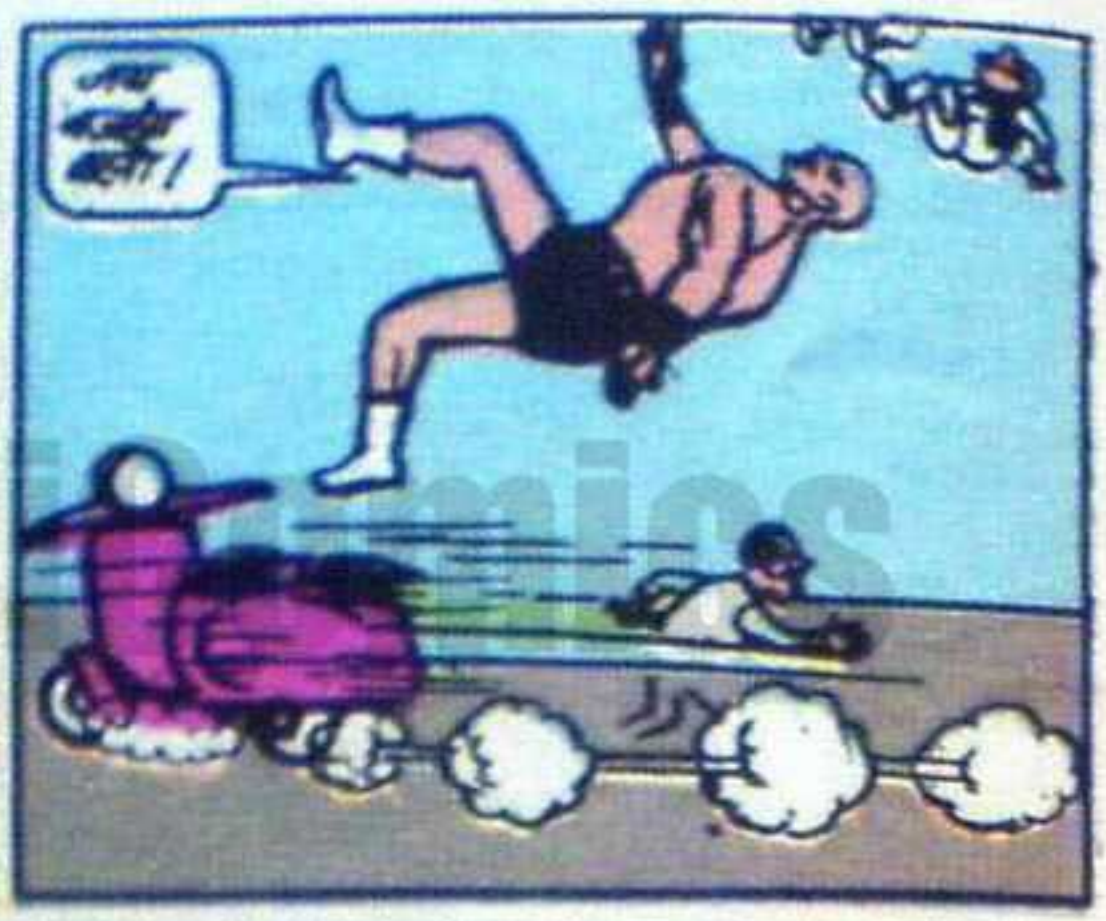

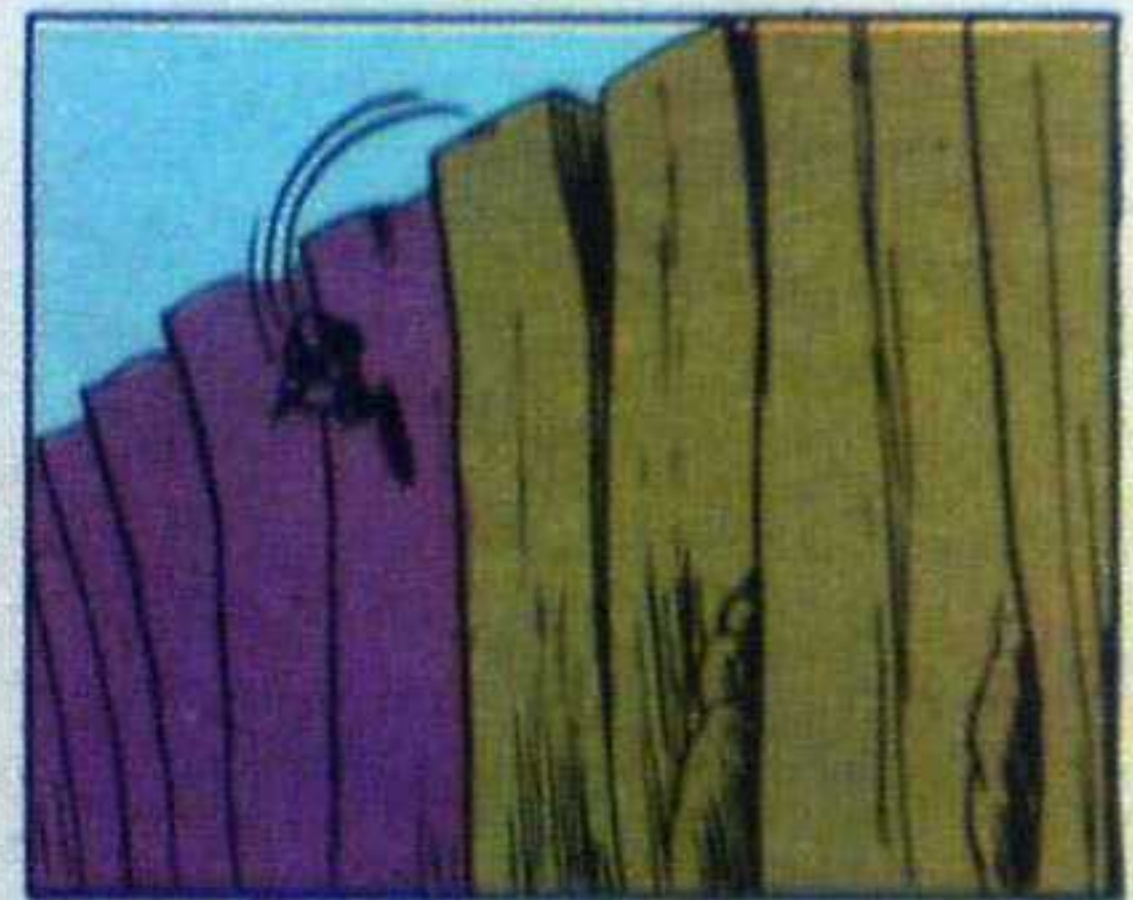

Visit us @ http://ehindicomics.blogspot.com/

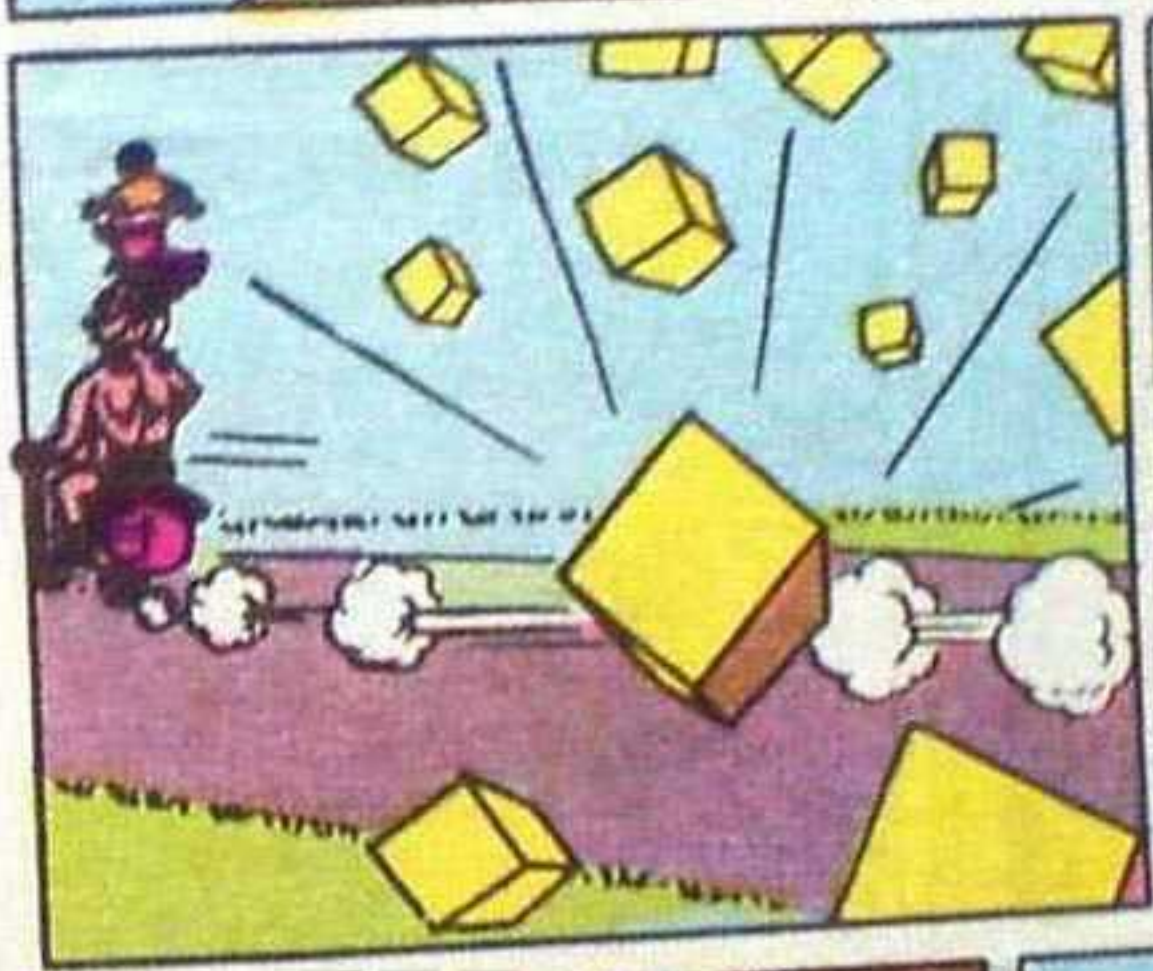

Visit us @ http://ehindicomics.blogspot.com/

हैलो मिस्टर टाम! क्या करता ?

मिस्टर चौधरी, हम मछली पकड़ता. क्या तुम हमसे मुकाबला करेगा?

ठीक है हो जाये.

जो कम मछली पकड़े वह ज्यादा मछलियां पकड़ने वाले को सौ रुपया दे!

मंजूर!

चाचाजी, क्या कर रहे हो? हमारे पास तो मछली पकड़ने का न कांटा है न जाल.

साबू, चुप रह.

हा-हा! पहलो, हमारा कांटा गया समुद्र में.

थोड़ी देर के बाद

यह देखो! क्या बड़ा मछली फंसा है.

© PRAN'S FEATURE

Visit us @ http://ehindicomics.blogspot.com/

मछली पकड़ना

अरे, तुम क्या बैठे-बैठे रोटियां तोड़ते रहते हो, जाओ कुछ कमाई-धमाई करो.

चलो साबू! लगता है आज तुम्हारी चाची हमारे ऊपर ज्वालामुखी की तरह फट पड़ेगी.

लेकिन हम जायें कहां?

समुद्र की तरफ.

डूबने?

अरे बेवकूफ, क्या समुद्र में डूबने ही जाते हैं? मछलियां पकड़ने नहीं जा सकते?

Visit us @ http://ehindicomics.blogspot.com/

Visit us @ http://ehindicomics.blogspot.com/

साबू! जरा समुद्र में एक गोता मार कर बाहर आ जा.

अच्छी बात है.

जय बजरंग बली!

साबू किनारे पर आता है.

हा-हा! देखो एक भी मछली नहीं फंसा. हा-हा!

एक मिनट ठहरो मिस्टर टाम!

?

एक, दो, तीन, चार, पंच, छह, सात... बाप रे, इतनी मछलियां!

चौधरी, यह लो सौ रुपया!

Visit us @ http://ehindicomics.blogspot.com/

वाह! लड्डू देसी घी के लगते हैं

हां, और खाओ!

धन्यवाद! मेरा फोटो तो खिंच गया.

क्लिक!

.. अब तुम इधर आ कर इसी जगह खड़े हो जाओ. मैं भी तुम्हारा एक फोटो खींचना चाहता हूं.

मुस्कराओ!

मुस्कराहट तो कब की मेरे चेहरे से भाग गई.

गजब हो गया! तुम्हारे लड्डुओं के चक्कर में मैं बटन दबाना भूल गया.

चौकीदार बटन दबाता है.

ओह!

वाह! यह तो और भी अच्छा पोज है.

क्लिक

फोकट! तुम मेरा फोटो दिखाओ या न दिखाओ, परंतु अपना जरूर दिखाना.

Visit us @ http://ehindicomics.blogspot.com/

वाह!

अब अगर इस बुत की जगह सचमुच के चाचाचौधरी को ला कर खड़ा कर दिया जाये तो कैसा रहेगा?

वाह! मार दिया पापड़ वाले को.

अब मैं इस को फुसला कर लाता हूं. तू यहां दीवार के पीछे खड़ा हो कर बटन दबाना.

ठीक है.

फोकट चाचाचौधरी के पास जाता है.

चाचाजी, मेरी तमन्ना है कि अपने घर के सामने खड़ा कर के आप का फोटो लूं.

चलो, चलते हैं.

ठीक, जरा मुस्कराइये.

कमबख्त चौबट को पता नहीं क्या हो गया है?

दीवार के पीछे..

टिंकूमास्टर, यह डिब्बे में क्या लिये जा रहा है?

लड्डू! लो तुम भी खाओ.

Visit us @ http://ehindicomics.blogspot.com/

ठीक है, साबू! हम संयुक्त राष्ट्र के सैक्रेट्री जनरल से मिलने बाद में जायेंगे, पहले माधो की भैंस ढूंढ कर लायेंगे.

और चाचा चौधरी भैंस को खोज निकालने के निर्देश दिये.

शहर के एक कोने पर.

सस्ती भैंस ले लो! दाम सिर्फ तीन सौ रुपये!

इतनी सस्ती भैंस? जरूर यह चोरी की है.

अरे भई! मेरे दोस्त साबू को एक भैंस चाहिये.

लेकिन मेरे पास नकद दाम नहीं हैं.

Visit us @ http://ehindicomics.blogspot.com/

Visit us @ http://ehindicomics.blogspot.com

Visit us @ http://ehindicomics.blogspot.com/

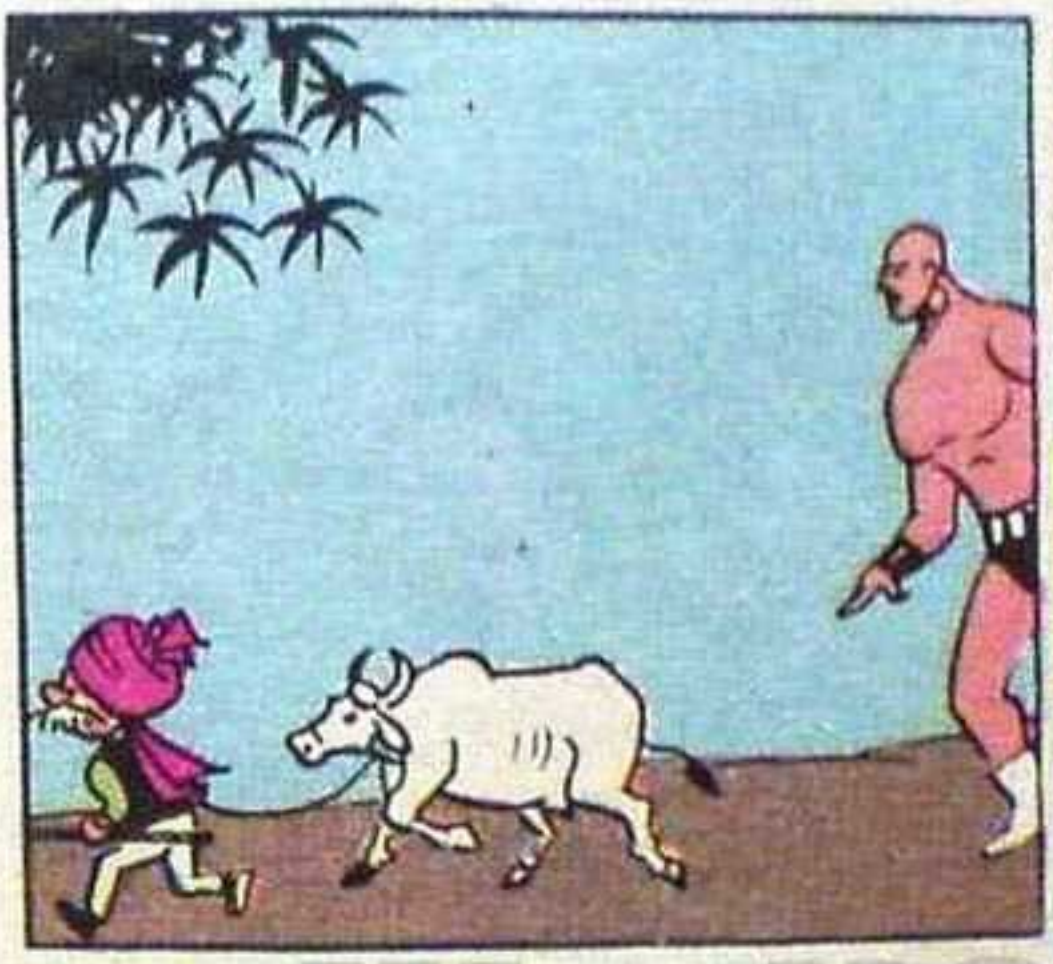

Visit us @ http://ehindicomics.blogspot.com/

भाग कर कहां जाते हो?

भाईयो! ये दोनों आप को बेवकूफ बना कर ठगते थे

पर वह आसमान से आग का बरसना?

बताता हूं.

कमान से वे स्पेशल आतिशबाजी को आसमान में फैंकते थे.

रात का अंधेरा होने के कारण वह आप को जाती हुई दिखाई नहीं देती थी.

आसमान में जा कर आतिशबाजी में आग लग जाती थी और वह नीचे आती हुई दिखाई देती थी.

और वह आवाज?

उस का रहस्य यह भौंपू है.

हैलो!

Visit us @ http://ehindicomics.blogspot.com/

©BRAN'S FEATURES

Visit us @ http://ehindicomics.blogspot.com/

दूसरी तरफ से एक और रावण का प्रवेश.

तुम कौन?

तुम कौन?

हा-हा! पांच-पांच सिर वाले दो रावण?

मैं रावण हूं.

मैं भी रावण हूं.

तू नकली है.

नकली तू!

तू अपने पांच सिर मेरे हवाले करदे, नहीं तो!

नहीं तो मैं मार-मार कर तेरा भुर्ता बना दूंगा.

अरे, रावण रावण से लड़ रहा है!

ऐसी रामलीला पहले कभी नहीं देखी.

तभी सन-भोंक स्यार हनुमान का प्रवेश.

अर्र र र... लड़ो नहीं अभी फैसला हुआ जाता है असली-नकली का.

Visit us @ http://ehindicomics.blogspot.com/

दो-दो रावण

एक बार चाचा चौधरी को रामलीला पर विशेष रूप से निमंत्रित किया गया.

रामलीला शुरू होने में अब कितनी देर है ?

बस, दस मिनट

तभी इंस्पेक्टर भुस्तराम दाखिल हुआ.

पुलिस का रामलीला में क्या काम ?

डाकू गोबरसिंह जेल तोड़कर भाग गया है. उसी की तलाश में था कि सोचा बैठ कर थोड़ी रामलीला ही देख लूं.

तभी पर्दा खुलता है और रावण का प्रवेश होता है.

देखो, रावण के सिर्फ पांच सिर!

बाकि पांच कहां गये ?

Visit us @ http://ehindicomics.blogspot.com/

चाचाजी, सुना है आपका दिमाग कम्प्यूटर से भी तेज चलता है. इस गुत्थी को आप ही सुलझा सकते हैं.

ऐ रावण! रामचंद्र से तुम किस हथियार से लड़ोगे?

यह देखो तलवार!

और तुम?

यह देखो!

नाड़

ओह!

इंस्पैक्टर साहब! यह रहा आपका मुजरिम हाकू गोबर सिंह जो रावण का भेष बनाकर लोगों की आंखों में धूल झोंक रहा था.

Visit us @ http://ehindicomics.blogspot.com/